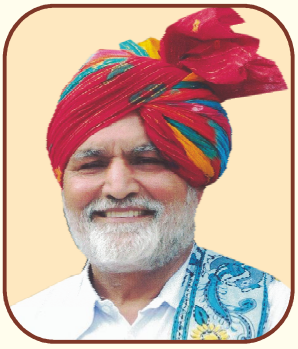

SHRI MAHABIR SINGH GUDDU

Shri Mahabir Singh Guddu is a folk artist of Haryana. He has been performing for the past fifty years for the promotion of Haryanvi folk culture. He is well known for Shiv Gaayan 'Bam Lehri'.

2. Born on 10th October 1961, Shri Guddu started performing on stage from the age of 11 years. His group dance 'Sapera' got recommended at University level. In March 1980, he got first position in All India Inter University Youth Festival 'Paniharin' at Jaipur University. In North Zone Inter University 'Ullas 85' at Haryana Agriculture University Hisar, he got first position in Creative Dance and second position in Haryanvi Folk play and both these items stood first in NAMY Fest (Nirgutt Youth Festival) held in Delhi, a youth festival of 22 countries. He was awarded many times as Best Actor, and also got first position in declamation, drama, ragni, jokes and dance in State Level Haryana Day celebration in Kurukshetra University, Kurukshetra. Apart from various places in India, he has given performance in abroad also such as in London, Norway, USA etc. In April 2023, he was invited in International Geeta Mahotsav Australia, where he also performed at Canberra Parliament House and International Convention Centre Sydney.

3. Shri Guddu was the first artist to perform Haryanvi Male Dance in University Youth Festival. Earlier man used to dance wearing daaman (Haryanvi Skirt) as they tried to imitate the woman. But he danced in dhoti and kurta, the traditional costume of men in Haryana. He tried to revive a dying art form called Haryanvi Orchestra, later conserved by the Haryana Government. He also revived 'Ghoda Naach' (Kacchi Ghodi) by performing it on stage. He got approved for 35 years in Drama and Folk Singing from All India Radio, Rohtak. He is associated as an artist with NZCC from past 30 years.

4. Shri Guddu used his art for social cause also. He made 'Beti Bachao Beti Padhao' cassette. He presented songs for awareness against drug consumption, female foeticide and other social evils for which he was honoured by Haryana Police. He performed in All India Folk Dance Festival 'Lok Tarang' organized by the Ministry of Culture, Government of India, Delhi on Republic Day. He has been performing at Delhi Trade Fair, Geeta Jayanti Kurukshetra and Suraj Kund Craft Fair from more than 35 years. He has worked in Haryanvi movies like 'Panghat', 'Khaandani Sarpanch', 'Satrangi' and a few more.

5. Shri Guddu was awarded 'Pandit Lakhmi Chand Award', 'Haryana Kala Rattan Samman', and he is the first and single person to receive 'Pandit Lakhmi Chand Shiksha and Sanskriti Award'. In 2016, on Independence Day, he was honoured by High Commission of India, London and also received Haryana Icon Award by UK Association London. In 2022, he performed at House of Lords London and was given Bharat Gaurav Samman Award. In Norway, he received Folk Icon of India Award. In November 2022, The American University, USA presented him The Honorary Degree of Doctor of Arts and Culture. He was given Certificate of Excellence as a 'Peace Educator' by the American University. In February 2023, he received prestigious 'Sangeet Natak Akademi Award' by the Hon'ble President of India.

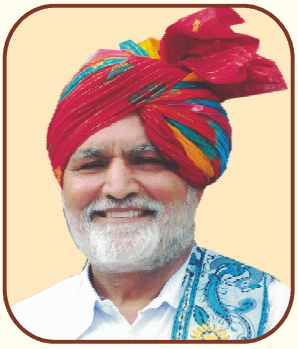

श्री महाबीर सिंह गुड्डू

श्री महाबीर सिंह गुड्डू हरियाणा के लोक कलाकार हैं। वे पिछले पचास वर्ष से हरियाणवी लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कला प्रदर्शन कर रहे हैं। वे शिव भजन 'बम लहरी' के लिए प्रसिद्ध हैं।

2. 10 अक्टूबर 1961 को जन्मे श्री गुड्डू ने 11 वर्ष की आयु से मंच पर प्रस्तुति देना शुरू कर दिया था। उनका समूह नृत्य 'सपेरा' विश्वविद्यालय स्तर पर अनुशंसित हुआ। मार्च 1980 में, उन्होंने जयपुर विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव 'पनिहारिन' में पहला स्थान प्राप्त किया। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय 'उल्लास 85' में, उन्हें रचनात्मक नृत्य में पहला स्थान और हरियाणा लोक नाटक में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। उनके यह दोनों सृजन दिल्ली में आयोजित एनएएमवाई फेस्ट (निर्गुट युवा महोत्सव), 22 देशों का युवा महोत्सव, में प्रथम स्थान पर रहे। उन्हें कई बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के रूप में सम्मानित किया गया एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय हरियाणा दिवस समारोह में भाषण, नाटक, रागनी, चुटकुले और नृत्य में भी पहला स्थान मिला। भारत में विभिन्न स्थानों पर प्रस्तुति देने के अलावा, उन्होंने विदेशों में भी लंदन, नॉर्वे, यूएसए आदि स्थानों पर प्रस्तुति दी है। अप्रैल 2023 में, उन्हें अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव ऑस्ट्रेलिया में आमंत्रित किया गया था, जहां उन्होंने कैनबरा संसद भवन और इंटरनेशनल कन्वेन्शन सेंटर, सिडनी में भी प्रस्तुति दी।

3. श्री गुड्डू विश्वविद्यालय के युवा महोत्सव में हरियाणवी पुरुष नृत्य प्रस्तुत करने वाले पहले कलाकार थे। पहले पुरुष दामण (हरियाणवी स्कर्ट) पहन कर स्त्री की नकल करते हुए नृत्य प्रस्तुत करते थे। किंतु, उन्होंने हरियाणा के पुरुषों की पारंपरिक वेशभूषा धोती और कुर्ता में नृत्य प्रस्तुत किया। उन्होंने हरियाणवी ऑर्केस्ट्रा नाम से ज्ञात विलुप्त हो रहे कला रूप को पुनर्जीवित करने की कोशिश की, जिसे बाद में हरियाणा सरकार द्वारा संरक्षित किया गया। उन्होंने मंच पर प्रदर्शन करके 'घोड़ा नाच' (कच्ची घोड़ी) को भी पुनर्जीवित किया। वह 35 वर्ष तक आकाशवाणी, रोहतक में नाटक और लोक गायन में अनुमत कलाकार थे। वह पिछले 30 वर्ष से एनजेडसीसी के साथ एक कलाकार के रूप में जुड़े हुए हैं।

4. श्री गुड्डू ने सामाजिक उद्देश्यों के लिए भी अपनी कला का उपयोग किया। उन्होंने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कैसेट बनाई। उन्होंने नशीली दवाओं, कन्या भ्रूण हत्या और अन्य सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूकता के लिए गीत बनाए, जिसके लिए उन्हें हरियाणा पुलिस द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने गणतंत्र दिवस पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय लोक नृत्य महोत्सव 'लोक तरंग' में प्रस्तुति दी। वे 35 वर्ष से से अधिक समय से दिल्ली व्यापार मेला, गीता जयंती कुरुक्षेत्र और सूरज कुंड शिल्प मेले में प्रस्तुति दे रहे हैं। उन्होंने 'पनघट', 'खानदानी सरपंच', 'सतरंगी' और कुछ अन्य हरियाणवी फिल्मों में काम किया है।

5. श्री गुड्डू को 'पंडित लख्मी चंद पुरस्कार', 'हरियाणा कला रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया था और वे 'पंडित लख्मी चंद शिक्षा और संस्कृति पुरस्कार' प्राप्त करने वाले पहले और एकमात्र व्यक्ति हैं। 2016 में, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, उन्हें भारत के उच्चायोग, लंदन द्वारा सम्मानित किया गया था और इन्हें यूके एसोसिएशन, लंदन द्वारा हरियाणा आइकन पुरस्कार भी प्रदान किया गया था। 2022 में, उन्होंने हाउस ऑफ लॉर्ड्स, लंदन में प्रस्तुति दी और उन्हें भारत गौरव सम्मान पुरस्कार दिया गया। नॉर्वे में, उन्हें फोक आइकन ऑफ इंडिया पुरस्कार प्रदान किया गया। नवंबर 2022 में, अमेरिकी विश्वविद्यालय, यूएसए ने उन्हें कला और संस्कृति में मानद डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की। उन्हें अमेरिकी विश्वविद्यालय द्वारा 'शांति शिक्षक' के रूप में उत्कृष्टता प्रमाण पत्र दिया गया था। फरवरी, 2023 में, भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा उन्हें प्रतिष्ठित 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार' प्रदान किया गया।